two countries if so, the response of the Chinese Government in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI S KUNDU): (a) Yes, Sir

(b) Several steps have been taken since the exchange of Ambassadors between India and China in 1976 to further the process of normalisation of relations between the two countries From the Chinese side too, in response to invitations from certain institutions in India visits have taken place and a process of exchanges between the two countries on the basis of reciprocity and mutual benefit is continuing

चीन को अमरीकी हथियारों की सप्लाई

1406 श्री राम नरेश कुशवाहा
श्री दयाराम शाक्य

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या उनका ध्यान दिनांक 13 सितम्बर, 1977 के 'हिन्दुस्तान' के 'चीन को अमरीकी आयुध सैन्य उपकरण' शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है

(ख) यदि हां तो इससे भारत की सुरक्षा और भारत-अमरीका सम्बन्धों पर क्या प्रभाव पड़ा है और

(ग) अमरीका और चीन के बीच सैनिक सामान के इस आदान-प्रदान से विश्व के शक्ति संतुलन पर क्या प्रभाव पड़ा है ?

विदेश मन्त्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) (क) सरकार ने यह खबर देखी है।

(ख) और (ग) सरकार इसकी सचाई का पता लगाने का प्रयत्न कर रही है। जहां तक हमें जानकारी है ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया।

Protest by Sri Lanka and Pakistan against the Statement of Erstwhile Prime Minister

1407 SHRI SHYAM SUNDAR GUPTA
SHRI G M BANATWALLA
SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA.
SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK
SHRI MANI RAM BAGRI
SHRI YASHWANT BOROLE:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state

(a) whether during the visit of External Affairs Minister to United Nations recently, the representative of Sri Lanka and Pakistan had protested against the statement made by the former Prime Minister Smt Indira Gandhi while speaking on India's events,

(b) if so whether it has come to the notice of Government that Smt Gandhi has been continuously making such allegations against these countries, and

(c) if so, what action Government have taken or propose to take to prevent her from making such statements?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE) (a) and (b) During my recent visit to New York, delegates from Sri Lanka and Pakistan had conveyed to me their resentment over the reported statements of the former Prime Minister Shrimati Indira Gandhi that there was a foreign hand in the changes of the Government that took place in their respective countries

(c) This Government is committed to respect the exercise of the freedom of speech and cannot prevent such statements being made We would, however, hope that restraint would

be exercised in making statements which may have adverse reactions in countries with whom we have friendly relations

चीन के उप-विदेश मन्त्री का वक्तव्य

1408 **श्री युवराज** क्या विदेश मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि चीन के उप-विदेश मन्त्री के हाल के एक वक्तव्य पर उन्होंने अति मधुर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी जो न तो राजनैतिक दृष्टि से सावधानी पूर्ण या सतुलित कहा जा सकता है और न ही उनके पूर्व कथनो के अनुरूप है,

(ख) क्या यह सच है कि चीनी अधिकारियो ने सीमा विवाद को विवाद की सज्ञा देना भी आपत्तिजनक माना है,

(ग) क्या यह सच है कि चीन भारत सीमा विवाद 15 वर्षो से चल रहा है और यदि हा, तो भारत की कुल कितने वर्ग मील जमीन पर चीन का कब्जा है, और

(घ) यदि उपरोक्त भागो का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या चीन के अवैध कब्जे मे भारतीय क्षेत्र को वापस लेने के लिये कोई निश्चित नीति अपनाई जा रही है और यदि नही, तो इसके क्या कारण है ?

विदेश मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कुन्डू) : (क) भारत-चीन सीमा विवाद को बातचीत के माध्यम से निपटाने की चीन की तत्परता के सबध मे चीन के उप-विदेश मन्त्री के कथित वक्तव्य पर 16 अगस्त को कलकत्ता मे समाचार सवाददाताओ ने जब विदेश मन्त्री की प्रतिक्रिया जाननी चाही थी तो उन्होने यह कहा था कि अगर चीन बातचीत के माध्यम से समाधान की दिशा मे कोई पहल करता है तो प्रत्युत्तर मे हमारी प्रतिक्रिया भी पूरी तरह उसके अनुरूप होगी। जैसा कि विदेश मंत्री ने कई अवसरो पर बताया है, हमारी नीति हमेशा यही रही है कि भारत सभी विवादास्पद प्रश्नो को, जिनमे भारत-चीन सीमा विवाद का प्रश्न भी शामिल है, पचशील के सिद्धान्तो के अनुसार तथा भारत के सम्मान, उसके गौरव और हितो के अनुरूप शान्तिपूर्ण द्विपक्षीय बातचीत के द्वारा हल करने के सिद्धान्त पर अडिग है।

(ख) दोनो पक्ष इस बात को स्वीकार करते है कि भारत-चीन सीमा के सबध म दोनो के बीच कुछ अनसुलझे प्रश्न है।

(ग) भारत-चीन सीमा के सबध म पिछले 15 वप से विवाद चला आ रहा है। इस समय लगभग 14,500 वर्ग मील का भारतीय क्षेत्र चीन के कब्जे मे है।

(घ) भारत, भारत-चीन सीमा के प्रश्न से सबधित मतभेदो को शान्तिपूर्ण द्विपक्षीय बातचीत के द्वारा सुलझाने के लिए वचनबद्ध है।

Visit of Marshal Tito to China

1409 SHRI CHITTA BASU
SHRI O P. TYAGI

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state

(a) whether new possibilities for the promotion of better understanding between India and China have opened up after Marshal Tito s visit to China, and

(b) if so whether any concrete steps have been taken in this direction?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI S KUNDU) (a) and (b). During the visit of President Tito of Yugoslavia to Peking recently, the Chinese leaders were reported to have expressed a general desire for improvement of bilateral